| 83 | बीजाकृतं तूतकृष्टं | |
|----|--|---|
| 84 | द्रीणिकाठिककाद्यः। | |
| 85 | स्युर्द्रीणाठकवापादी कि ग्रिजनात किलाने किलाने | |
| 86 | खलग्रान्यं पुनः खलम् ॥ १६१ ॥ | |
| 87 | चूर्णे दोद्दे। अपनिकालिक | |
| 88 | ्य रत्ति स्युर्धूलीपाष्ट्रिणवः। जिल्ही जिल्ही | - |
| 89 | लोष्टे लोष्ट्रिलर्लेष्ट्र- | , |
| 90 | र्वल्मोकः कृमिपर्वतः ॥ ६७० ॥ | |
| 91 | वस्रोक्टं वामलूरा नाकुः शक्रशिर्श्य सः । | |
| 92 | नगरी पूः पुरी द्रङ्गः पत्तनं पुरमेदनम् ॥ ६७१ ॥ | |
| 93 | निवेशनमधिष्ठानं स्थानीयं निगमो पि च । | |
| 94 | शाखापुरं तूपपुरं | |
| 95 | खेटः पुरार्धिवस्तरः ॥ ६७२ ॥ | |
| 96 | स्वन्धावारे। रातधानी | 8 |
| 97 | कोर्डर्गे पुनः समे। | |
| 98 | गया पूर्णयरात्रर्षः म मुक्तानात्रकः मृह्णिनात्रिकः मृह्णिनात्रीकः मृह्णिनात्रीकः | 1 |
| | | |

83. Besäetes und hierauf gepflügtes Land (2 W.). — 84. 85. Mit einem drona, âdhaka u. s. w. besäet. — 86. Dreschtenne (2 W.). — 87. Mehl (2 W.). — 88. Staub (4 W.). — 89. Erdscholle (4 W.). — 90. 91. Ameisenhaufen (6 W.). — 92. 93. Stadt (10 W.). — 94. Vorstadt (2 W.). — 95. Ort, halb so gross wie eine Stadt. — 96. Königliche Residenz (2 W.). — 97. Festung (2 W.). — 98. Die Residenz des königlichen Weisen Gaja.

dasselbe durch "Land, welches in die Länge und in die Quere gepflügt worden ist".